NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 3.4.2024
Page No. 18, Size:(8.81)cms X (11.65)cms.

India's first bullet train station takes shape in Surat

FPJ NEWS SERVICE / SURAT

The diamond city of Surat is gleaming brighter than ever, as India's first bullet train station takes shape at Antroli, along the Surat-Kadodara road connecting National Highway (NH-8). Construction of this marvel of modern infrastructure is progressing rapidly, with an anticipated completion date of December 2024.

This state-of-the-art, multi-level station will be a true architectural gem. Its external facade and interiors will pay homage to Surat's most celebrated pride – the sparkling diamond. The first floor will be dedicated to passenger comfort, boasting spacious waiting areas, a variety of food stalls, bank ATMs, and well-maintained restrooms.

The project is moving full steam ahead. Fabrication work at the station is in high gear, while a significant portion of the viaduct construction on the Mumbai side is already complete. Billimora will be the next station on the route, with passenger service expected to begin by 2026.

The much-anticipated Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail (MAHSR) corridor promises to revolutionize travel between the two cities. With limited stops, the bullet train will slash travel time to a mere 2 hours and 7 minutes. Even with stops at all stations, the journey will be significantly faster, taking just 2 hours and 58 minutes.

Safety and reliability are paramount for this project. The bullet train will be powered by Japan's renowned Shinkansen technology, known worldwide for its impeccable safety record. The trains themselves will be capable of reaching a maximum design speed of 350 kilometers per hour, with an operational speed of 320 kilometers per hour.

The foundation stone for this ambitious Rs 1.1 lakh crore project was laid in September 2017 by Prime Minister Narendra Modi and former Japanese Prime Minister Shinzo Abe, in Sabarmati, Ahmedabad. The first phase, connecting Surat and Bilimora, is targeted for completion by 2026. The National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) is spearheading this historic undertaking, with Larsen & Toubro Limited (L&T) playing a crucial role in the design and construction of the 8-kilometer viaduct.

The arrival of India's first bullet train station in Surat marks a significant milestone in the country's infrastructure development. This gleaming diamond will not only transform travel between major cities but also serve as a symbol of India's growing prowess in the field of high-speed rail technology.

बुलेट ट्रेन : स्टेशन के अगले हिस्से को हीरे का दिया जा रहा स्वरूप

सूरत एचएसआर स्टेशन लेने लगा आकार

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन

सूरत. सूरत जिले के अंत्रोली गांव स्थित सूरत एचएसआर स्टेशन के अगले हिस्से का हीरे के आकार में निर्माण शुरू हो गया है। वहीं, गुजरात के अन्य स्टेशनों वापी, बिलीमोरा, भरूच समेत अन्य स्टेशनों पर भी निर्माण कार्य चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, मुम्बई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) पर सूरत स्टेशन का अग्रभाग का डिजाइन हीरे के आकार के रूप में दिखाई देने लगा है। सूरत का बुलेट ट्रेन स्टेशन जिले के अंत्रोली गांव में स्थित है। स्टेशन का कुल निर्मित क्षेत्र 58,352 वर्ग मीटर है। जबकि स्टेशन की कुल ऊंचाई 26.3 मीटर बताई गई है। सूरत एचएसआर स्टेशन का 450 मीटर लंबा कॉनकोर्स और 450 मीटर लंबा रेल लेवल स्लैब पूरा हो चुका है। इसके अलावा अहमदाबाद, आणंद और वापी स्टेशन का भी निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। वहीं अन्य चार एचएसआर स्टेशनों, यानी बिलिमोरा, भरूच, वडोदरा और साबरमती स्टेशन का काम निर्माण के विभिन्न चरणों में है। गौरतलब है कि, हाल में ही बुलेट ट्रेन परियोजना के विद्युतीकरण कार्यों के लिए भी अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं।

दूसरी तरफ पहली बार भारत मे जे-स्लैब बैलास्टलेस ट्रैक सिस्टम का उपयोग करके ट्रैक बेड बिछाने का कार्य भी चल रहा है।

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 3.4.2024
Page No. 3, Size:(11.88)cms X (7.01)cms.

बुलेट ट्रेन : स्टेशन के अगले हिस्से को हीरे का दिया जा रहा स्वरूप

सूरत एचएसआर स्टेशन लेने लगा आकार

सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. सूरत जिले के अंत्रोली गांव स्थित सूरत एचएसआर स्टेशन के अगले हिस्से का हीरे के आकार में निर्माण शुरू हो गया है। वहीं, गुजरात के अन्य स्टेशनों वापी, बिलीमोरा, भरूच समेत अन्य स्टेशनों पर भी निर्माण कार्य चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, मुम्बई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) पर सूरत स्टेशन का अग्रभाग का डिजाइन हीरे के आकार के रूप में दिखाई देने लगा है। सूरत का बुलेट ट्रेन स्टेशन जिले के अंत्रोली गांव में स्थित है। स्टेशन का कुल निर्मित क्षेत्र 58,352 वर्ग मीटर है। जबकि स्टेशन की कुल ऊंचाई 26.3 मीटर बताई गई है। सूरत एचएसआर स्टेशन का 450 मीटर लंबा कॉनकोर्स और 450 मीटर लंबा रेल लेवल स्लैब पूरा हो चुका है। इसके अलावा अहमदाबाद, आणंद और वापी स्टेशन का भी निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। वहीं अन्य चार एचएसआर स्टेशनों, यानी बिलिमोरा, भरूच, वडोदरा और साबरमती स्टेशन का काम निर्माण के विभिन्न चरणों में है। गौरतलब है कि, हाल में ही बुलेट ट्रेन परियोजना के विद्युतीकरण कार्यों के लिए भी अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं।

दूसरी तरफ पहली बार भारत मे जे-स्लैब बैलास्टलेस ट्रैक सिस्टम का उपयोग करके ट्रैक बेड बिछाने का कार्य भी चल रहा है।